सं० थो. वि/रोह०/39-87/13990 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय. है कि मै० श्री राम सन्येटिक्स फैब्रिक्स ए० ग्राई०ई०, 329, बहाबुरगढ़ (रोहतक) के श्रीमक श्री हरि चन्द, पुत श्री रामचरण मार्फत श्री पोलू राम पंवार, मकान नं० 322, बार्ड नं० 14, पुराना झझर रोड, बहरा बबाड़ी के सामने बहादुरगढ़ जि० रोहतक तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

्र प्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1 श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित अम न्यायालय, रौहतक को विवादशस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णम एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री हरिचन्द की सेवाग्रों का समापन न्यायौचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० घो० वि०/रोह/39-87/13997.—चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० श्री राम सन्येटिस फैबिक्स एम०ग्राई०ई०, 329, बहादुरगढ़ (रोहतक) के श्रमिक श्री रमा शंकर, पुत्र श्री तूफानी प्रसाद माफंत श्री पोलू राम पंवर मकान नं० 322 वार्ड नं० 14 पुराना झझर रोड, बहरा कबाड़ी के सामने बहादुरगढ़, जिला रोहतक तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, भव, श्रीद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिवितयों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 9641-1 श्रम 78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी ग्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायाख्य, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सूसगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से मुसंगत ग्रथना सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री रमण्यंकर की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं तो, वह किस राहत का इकदार है ?

सं० श्रो० वि०/रोह/39-87/14004 — चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० श्री राम सन्येटिक्स फैबिक्स एम. आई.ई०, 329, बहादुरगढ़ (रोहतक) के श्रीमक श्री मुनेन्द्र कुमार सिंह, पुत्र श्री नायून सिंह मार्फत श्री पोलू राम पंवार मकान न० 322, वार्ड 14, पुराना झझर रोड़, बहरा कवाड़ी के समाने बहादुरगढ़ जिला रोहतक तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौद्योगिक विवाद है;

और चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद की न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्ति यो का प्रयोग करते हुए हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं० 9641-1-श्रम 78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी श्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथना सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री मुनेन्द्र कुमार सिंह, पुत्र श्री नाथुन सिंह की सेवाग्रों का समापन न्योचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो बह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 8 सप्रैल, 1987

सं भो वि । एफ वि । 46-87 | 14464 - चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं इण्डो सर्विस टाईम लिं , बुण्डाहेड़ा गुड़गांव, के श्रमिक मिस शान्या कुमारी एल मार्फत राव पृथ्वी सिंह यादव मकान नं 514/4, श्रबंन इस्टेट गुड़गांव तथा उसके प्रवाधकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीधोषिक विवाद है;

भीर ज्विक हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पड़ते हुए अधितूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 करवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, करीदावाद को विवाद प्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा